CS (MAIN) EXAM, 2010

Sl. No. 27

B-DTN-K-QMA

PHILOSOPHY

Paper I

Time Allowed : Three Hours | *Maximum Marks : 300*

INSTRUCTIONS

Each question is printed both in Hindi and in English.

Answers must be written in the medium specified in the Admission Certificate issued to you, which must be stated clearly on the cover of the answer-book in the space provided for the purpose. No marks will be given for the answers written in a medium other than that specified in the Admission Certificate.

Candidates should attempt Question Nos. 1, and 5 which are compulsory, and any ***three*** *of the remaining questions selecting at least* ***one*** *question from each Section.*

The number of marks carried by each question is indicated at the end of the question.

ध्यान दें : अनुदेशों का हिन्दी रूपान्तर इस प्रश्न-पत्र के पिछले पृष्ठ पर छपा है।

Educational Material Downloaded from http://www.evidyarthi.in/
Get CBSE Notes, Video Tutorials, Test Papers & Sample Papers

Section 'A'

1. Write short notes on the following in about 150 words each : 4×15=60

(a) How does Aristotle's notion of causation differ from the modern notion of causation ?

(b) Does Hume deny the possibility of knowledge ? Discuss.

(c) Why does Kant say that existence is not a predicate ?

(d) Are tautologies meaningless according to Wittgenstein ?

2. Answer the following in about 200 words each : 3×20=60

(a) What does Moore want to establish when he asserts that propositions like 'the earth exists' or 'we have consciousness' are truisms ? Discuss.

(b) Why does Spinoza think that God alone is absolutely real ? Explain.

(c) Are necessary propositions linguistic by nature ? Discuss in the light of logical positivism.

Educational Material Downloaded from http://www.evidyarthi.in/
Get CBSE Notes, Video Tutorials, Test Papers & Sample Papers

खण्ड 'क'

1. निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणियां लिखिए, जो प्रत्येक लगभग 150 शब्दों में होनी चाहिए : 4×15=60

   (क) कार्यकारण-भाव का अरस्तू का अभिप्राय किस प्रकार कार्यकारण-भाव के आधुनिक अभिप्राय से भिन्न है ?

   (ख) क्या ह्यूम ज्ञान की संभावना से इन्कार करता है ? चर्चा कीजिए।

   (ग) क्या कारण है कि कांट का कहना है कि अस्तित्व एक विधेय नहीं है ?

   (घ) क्या विटगेनस्टाइन के अनुसार पुनरुक्तियां अर्थहीन होती हैं ?

2. निम्नलिखित में से प्रत्येक का लगभग 200 शब्दों में उत्तर दीजिए : 3×20=60

   (क) जब मूर ज़ोर देकर कहता है कि 'पृथ्वी का अस्तित्व है' या 'हमारे अंदर चेतना है' के प्रकार की प्रतिज्ञप्तियां सामान्योक्तियां हैं, तब वह क्या स्थापित करना चाहता है ? चर्चा कीजिए।

   (ख) स्पीनोज़ा यह क्यों सोचता है कि केवल ईश्वर ही परम वास्तविक है ? स्पष्ट कीजिए।

   (ग) क्या आवश्यक प्रतिज्ञप्तियां प्रकृति अनुसार भाषाई होती हैं ? तार्किक प्रत्यक्षवाद के प्रकाश में इस पर चर्चा कीजिए।

Educational Material Downloaded from http://www.evidyarthi.in/
Get CBSE Notes, Video Tutorials, Test Papers & Sample Papers

3. Answer the following in about 300 words each : 2×30=60

(a) What metaphysical implications can be derived from Berkeley's statement 'esse est percipi' ?

(b) What is the basic difference between Leibniz and Kant on the concepts of space and time ?

4. Answer the following in about 300 words each : 2×30=60

(a) How is the empirical ego in Sartre and Heidegger different from the transcendental ego in Husserl ?

(b) Is Strawson's concept of a person a refutation of Hume's concept of Self ? Discuss.

Section 'B'

5. Write short notes on the following in about 150 words each : 4×15=60

(a) Does the effect pre-exist in the cause ? Discuss.

(b) How is Rāmānuja's concept of dharma-bhūtajñāna different from Śankara's concept of Svarūpajñāna ? Explain.

(c) Is Śankara's concept of adhyāsa logical or psychological ? Discuss.

(d) How are evolution and involution related in Sri Aurobindo's philosophy ?

Educational Material Downloaded from http://www.evidyarthi.in/
Get CBSE Notes, Video Tutorials, Test Papers & Sample Papers

3. निम्नलिखित में से प्रत्येक का लगभग 300 शब्दों में उत्तर दीजिए : 2×30=60

(क) बर्कले के 'ऐसे ऐस्ट पर्सिपी' कथन से कौन से तत्वमीमांसीय निहितार्थ व्युत्पन्न किए जा सकते हैं ?

(ख) आकाश (अंतरिक्ष) और समय की संकल्पनाओं पर लाइबनिज़ और कांट के बीच क्या आधारभूत अंतर है ?

4. निम्नलिखित में से प्रत्येक के लगभग 300 शब्दों में उत्तर दीजिए : 2×30=60

(क) सार्त्रे और हाइडेगर में आनुभविक अहम् किस प्रकार हुसर्ल में अनुभवातीत अहम् से भिन्न है ?

(ख) क्या व्यक्ति की स्ट्रौसन की संकल्पना ह्यूम की आत्मन् की संकल्पना का खंडन है ? चर्चा कीजिए।

खण्ड 'ख'

5. निम्नलिखित में से प्रत्येक पर लगभग 150 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणियां लिखिए : 4×15=60

(क) क्या प्रभाव कारण के अंदर पूर्वतः विद्यमान होता है ? चर्चा कीजिए।

(ख) रामानुज की धर्मभूतज्ञान की संकल्पना शंकर की स्वरूपज्ञान की संकल्पना से किस बात में भिन्न है ? स्पष्ट कीजिए।

(ग) क्या शंकर की अध्यास की संकल्पना तार्किक है या कि मनोवैज्ञानिक है ? चर्चा कीजिए।

(घ) श्री अरविंद के दर्शन में विकास और प्रतिविकास किस प्रकार से एक दूसरे से संबंधित हैं ?

Educational Material Downloaded from http://www.evidyarthi.in/
Get CBSE Notes, Video Tutorials, Test Papers & Sample Papers

6. Answer the following in about 200 words each : 3×20=60

(a) "Just as the skepticism of Hume helped Kant to come out of his dogmatic slumber, so also the Carvaka philosophy saved Indian philosophy from dogmatism". Discuss.

(b) Can qualities exist without substance ? Substantiate your view in the light of Nyāya-Buddhism controversy.

(c) How does the Buddhist accept the possibility of rebirth in the absence of an eternal soul ? Discuss.

7. Answer the following in about 300 words each : 2×30=60

(a) Bring out the metaphysical implications of the second noble truth of Buddhism.

(b) Is Syādvāda a self-contradictory doctrine ? Discuss.

8. Answer the following in about 300 words each : 2×30=60

(a) "Both Śankara and Rāmānuja are right in their affirmations but wrong in their denials". Critically evaluate.

(b) Explain the reasons for introducing the notion of extraordinary perception in Nyāya epistemology.

Educational Material Downloaded from http://www.evidyarthi.in/
Get CBSE Notes, Video Tutorials, Test Papers & Sample Papers

6. निम्नलिखित में से प्रत्येक का लगभग 200 शब्दों में उत्तर दीजिए : 3×20=60

(क) "जिस प्रकार ह्यूम के संशयवाद ने कांट को अपनी राद्धांतवादी निद्रा से बाहर निकलने में सहायता की थी, उसी प्रकार चार्वाक दर्शन ने भारतीय दर्शन को राद्धांतिकता से मुक्ति दिलाई थी।" चर्चा कीजिए।

(ख) क्या गुणताओं का द्रव्य के बिना कोई अस्तित्व हो सकता है ? न्याय-बुद्धवाद विवाद के प्रकाश में, अपने मत को प्रमाणित कीजिए।

(ग) शाश्वत जीवात्मा की अनुपस्थिति में बुद्धवादी पुनर्जन्म की संभावना को किस प्रकार स्वीकार करता है ? चर्चा कीजिए।

7. निम्नलिखित में से प्रत्येक का लगभग 300 शब्दों में उत्तर दीजिए : 2×30=60

(क) बुद्धवाद के द्वितीय धीरोदात्त सत्य (सैकंड नोबल ट्रुथ) के तत्वमीमांसीय निहितार्थों को उजागर कीजिए।

(ख) क्या स्याद्वाद एक स्वतोविरोधी सिद्धांत है ? चर्चा कीजिए।

8. निम्नलिखित में से प्रत्येक के लगभग 300 शब्दों में उत्तर दीजिए : 2×30=60

(क) "शंकर और रामानुज दोनों ही अपने-अपने प्रतिज्ञानों में तो सही हैं, परन्तु अपने अस्वीकरणों में ग़लत हैं।" इस कथन का समालोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए।

(ख) न्याय ज्ञानमीमांसा में असाधारण प्रत्यक्षण के अभिप्राय को प्रारंभ करने के कारणों को स्पष्ट कीजिए।

Educational Material Downloaded from http://www.evidyarthi.in/
Get CBSE Notes, Video Tutorials, Test Papers & Sample Papers

B-DTN-K-QMA

दर्शनशास्त्र

प्रश्न-पत्र I

समय : तीन घण्टे | पूर्णांक : 300

अनुदेश

प्रत्येक प्रश्न हिन्दी और अंग्रेजी दोनों में छपा है।

प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख उत्तर-पुस्तक के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। प्रवेश-पत्र पर उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्न संख्या **1** और **5** अनिवार्य हैं। बाकी प्रश्नों में से प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम **एक** प्रश्न चुनकर किन्हीं ***तीन*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

प्रत्येक प्रश्न के लिए नियत अंक प्रश्न के अन्त में दिए गए हैं।

***Note** : English version of the Instructions is printed on the front cover of this question paper.*

Educational Material Downloaded from http://www.evidyarthi.in/
Get CBSE Notes, Video Tutorials, Test Papers & Sample Papers